हिमाचल दस्तक 22. अप्रै. 2013

'सोशल मीडिया उभरा क्रांति बनकर'

शिमला। सोशल मीडिया एक क्रांति बनकर उभरा है जिसके सकारात्मक के साथ-साथ नकारात्मक पहलू भी है। आवश्यकता इस बात की है कि समुचित शोध और योजना के साथ सामाजिक हित में इसके सकारात्मक लाभों दोहन भी होना चाहिए। यह बात बचत भवन में आयोजित राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के मौके पर वरिष्ठ पत्रकार पीसी लोहमी ने कही। उन्होंने अधिक शोध पर जोर देते हुए कहा कि पत्रकारिता से जुड़े लोग अधिकांश सूचना के लिए इंटरनेट पर निर्भर होते जा रहे हैं जिस कारण शोध कार्य धीरे-धीरे कम होते जा रहे हैं। जोकि अच्छे संकेत नहीं है। पब्लिक रिलेशसन सोसायटी ऑफ इंडिया के शिमला चैप्टरर के अध्यक्ष ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विचार विमंश सत्र का आयोजन भी किया गया। परिचर्चा में मीडिया कर्मी सहित जन संपर्क व्यवसायियों और पीआरएसआई के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया।